खबर संक्षेप

करसरा में मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू

सतना। रैगांव विधानसभा क्षेत्र के करसरा के पास बौलिहा में 27 जुलाई से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू हो गई है। इस आंदोलन में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं और स्थानीय ग्रामीणों ने भाग लिया है। आंदोलनकारियों ने प्रशासन के सामने चार प्रमुख मांगें रखी हैं। उनकी पहली मांग है कि शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल करसरा को तत्काल भवन उपलब्ध कराया जाए। दूसरी मांग के तहत करसरा से बौलिहा मार्ग का निर्माण जल्द से जल्द शुरू करने की बात कही गई है। इसके अलावा बौलिहा ग्राम की प्राथमिक शाला की भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराने और लगभग 1000 से 1200 की आबादी वाले बौलिहा गांव को पूर्ण राजस्व ग्राम का दर्जा देने की मांग शामिल है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उनकी समस्याओं का ठोस समाधान नहीं होता,आंदोलन जारी रहेगा।

वरिष्ठ शिक्षिका रितु मैनी के निधन से शिक्षा जगत में शोक,जनप्रतिनिधियों ने दी श्रद्धांजलि

मैहर। गुरु नानक मिशन स्कूल,मैहर की वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती रितु मैनी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही पूरे मैहर शहर और शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई। अपने सरल,सौम्य और विद्यार्थियों के प्रति समर्पित व्यक्तित्व के कारण वे सभी की प्रिय शिक्षिका थीं। उनके निधन पर शोक व्यक्त करने और श्रद्धांजलि देने उनके निवास पर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी,जिला कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेश घई,गुरु नानक मिशन स्कूल के प्रबंधक सतविंदर सिंह सरना,राकेश पांडे,अनिल सर सहित बड़ी संख्या में शिक्षक,पत्रकार एवं गणमान्य नागरिक पहुंचे। शोकाकुल परिवार के रमेश कुमार मैनी,इंद्रजीत सिंह मैनी,सरबजीत सिंह मैनी,गोलू मैनी,रानी मैनी, संदीप मैनी व समस्त परिजनों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी।

सिंधी समाज का 31वां चालीसा व्रत महोत्सव प्रारंभ,40 दिनों तक प्रज्वलित रहेगी अखंड ज्योत

मैहर। सिंधी समाज के इष्टदेव भगवान श्री झूलेलाल जी का 31वां चालीसा व्रत महोत्सव सिंधी धर्मशाला स्थित झूलेलाल मंदिर में अपार श्रद्धा और उत्साह के साथ प्रारंभ हो गया है। महोत्सव का शुभारंभ भगवान झूलेलाल जी की प्रतिमा पर पुष्पहार और नवीन वस्त्र (चोला) समर्पित करके किया गया। समाजसेवी सुशील खेटपाल ने बताया कि इस 40 दिवसीय महोत्सव के दौरान अखंड ज्योत प्रज्वलित रहेगी। इस अवसर पर बहराणे साहिब और जल देवता (वरुण अवतार) की पूजा-अर्चना कर विश्व कल्याण और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में सिंधी समाज के वरिष्ठजनों,महिलाओं और युवाओं ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई।

ताला पुलिस की बड़ी कार्रवाई: 61 लीटर अवैध शराब और बाइक के साथ तस्कर गिरफ्तार

मैहर। ताला थाना पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 61.380 लीटर अवैध शराब (देशी प्लेन व गोवा व्हिस्की) और तस्करी में इस्तेमाल मोटरसाइकिल जब्त की है। जब्त शराब की कुल कीमत 28,335 रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार भड़री मोड़ पर घेराबंदी कर आरोपी राकेश यादव (26 वर्ष), निवासी रामगढ़ को पकड़ा गया,जबकि उसका साथी संदीप केवट अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

मैहर के आर्थिक और सामाजिक विकास में आरसीसीपीएल की महत्वपूर्ण भूमिका

मैहर। मैहर जिले में संचालित आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड (एमपी बिरला ग्रुप) ने क्षेत्र के औद्योगिक और आर्थिक विकास में अहम योगदान दिया है।

फार्मासिस्ट के बिना दवा बेची तो गिरेगी गाज: सतना में 8 मेडिकल स्टोरों पर छापा, दो में बिक्री पर लगाई रोक

सतना। जिले में दवाओं के अवैध और नियम-विरुद्ध कारोबार पर नकेल कसने के लिए औषधि प्रशासन विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। नियंत्रक के निर्देशों के पालन में सोमवार को औषधि निरीक्षक की टीम ने शहर के 8 प्रमुख मेडिकल स्टोरों का औचक निरीक्षण किया। इस कार्रवाई से पूरे जिला परिसर के दवा विक्रेताओं में हड़कंप मच गया।

अनुपस्थित मिले फार्मासिस्ट, तत्काल प्रभाव से बिक्री बंद

सघन जांच अभियान के दौरान अधिकारियों ने पाया कि कई प्रतिष्ठान औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम का सरेआम उल्लंघन कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान श्यामा मेडिकल स्टोर एवं गंगा मेडिकल एंड जनरल पर पंजीकृत फार्मासिस्ट मौके से नदारद पाए गए। किसी भी मेडिकल स्टोर पर बिना योग्य और पंजीकृत फार्मासिस्ट के दवाओं की बिक्री करना कानूनन अपराध है।इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए औषधि निरीक्षक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों प्रतिष्ठानों के संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जब तक पंजीकृत फार्मासिस्ट की उपस्थिति सुनिश्चित नहीं होती,तब तक औषधियों का विक्रय तत्काल प्रभाव से बंद रहेगा। दोनों मामलों में नियमों के तहत आगे की दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है।

इन 8 मेडिकल स्टोरों पर हुई जांच कार्रवाई

औषधि प्रशासन की टीम ने जिन आठ प्रमुख प्रतिष्ठानों का बारीकी से निरीक्षण किया,उनमें श्यामा मेडिकल स्टोर,रामा मेडिकल स्टोर,डिस्काउंट दवा बाजार,Sos 24 सिटी ब्रांच,पाण्डेय मेडिकल,गंगा मेडिकल एंड जनरल,दसानी मेडिकल व सोम्या फार्मा मेडिकल शामिल हैं।

नियम तोड़े तो निरस्त होगा लाइसेंस: औषधि प्रशासन

प्रशासनिक अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि जिले में यह जांच अभियान आगे भी इसी तरह लगातार जारी रहेगा। यदि भविष्य में किसी भी मेडिकल स्टोर पर पंजीकृत फार्मासिस्ट अनुपस्थित मिलता है या दवा -बिक्री के नियमों का उल्लंघन पाया जाता है,तो संबंधित संचालक के विरुद्ध कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी,जिसमें दुकान का लाइसेंस रद्द करना भी शामिल है।

दवा विक्रेताओं को सख्त हिदायत

औषधि प्रशासन ने जिले के सभी मेडिकल स्टोर संचालकों से अपील की है कि मरीजों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से कोई खिलवाड़ न करें। दवाइयों का वितरण केवल और केवल पंजीकृत फार्मासिस्ट की प्रत्यक्ष मौजूदगी में ही किया जाए। साथ ही औषधि अधिनियम से जुड़े सभी वैधानिक प्रावधानों और रजिस्टरों के रख-रखाव का पूरी निष्ठा से पालन सुनिश्चित करें।

छात्र हितों को लेकर एनएसयूआई का भाजपा कार्यालय पर प्रदर्शन, अजीर समेत कई कार्यकर्ता हिरासत में

मैहर। छात्रों की विभिन्न मांगों और केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में राष्ट्रीय छात्रसंघ के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष अजीर बिहारी द्विवेदी के नेतृत्व में भाजपा कार्यालय का घेराव किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग की और जमकर नारेबाजी की। गायत्री मंदिर के पास पुलिस ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया,जिससे पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच नोकझोंक हुई। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन युवाओं की आवाज उठाने के लिए संघर्ष जारी रखेगा। काफी देर तक चले इस प्रदर्शन के बाद पुलिस ने स्थिति पर काबू पाने के लिए कड़ा रुख अपनाते हुए अजीर बिहारी द्विवेदी समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

बदखर में सीवर लाइन के कारण सड़कें बदहाल, पक्षपात के आरोप

सतना। शहर के बदखर वार्ड नंबर 12 में पिछले दो वर्षों से सीवर लाइन बिछाने के नाम पर खुदी पड़ी सड़कें निवासियों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुकी हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जहां सिंधी कैंप में हंसराज अस्पताल के पास की गली पांच बार बन चुकी है,वहीं बदखर की सड़कों पर नगर निगम 5 रुपये की मुरम तक नहीं डलवा पाया है। निवासियों ने नगरनिगम के वार्ड इंजीनियर पर भेदभाव का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि निर्माण समिति के अध्यक्ष केवल अपने वार्ड के कार्यों को स्वीकृति देते हैं,जबकि अन्य वार्डों की अनदेखी की जा रही है। इससे पहले नागौद क्षेत्र के ग्राम छुलहा (पंचायत गिंजरा,विधानसभा रैगांव) में भी सड़कों के निर्माण को लेकर बच्चों ने आंदोलन किया था,लेकिन अधिकारियों के झूठे आश्वासनों के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

प्रेमचंद का साहित्य भारतीय समाज का जीवंत दस्तावेज

सतना।

प्रगतिशील लेखक संघ (प्रलेस) इकाई,नागौद द्वारा अखंड ज्योति विद्यालय में मुंशी प्रेमचंद की जयंती पखवाड़े के तहत एक विचारोत्तेजक गोष्ठी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रामलाल सिंह परिहार ने की,जबकि मुख्य अतिथि पद्मश्री बाबूलाल दाहिया और विशिष्ट अतिथि प्रलेस सतना के महासचिव विजयशंकर चतुर्वेदी रहे। संचालन एडवोकेट रमाकांत मिश्र और आभार प्रदर्शन पुष्कर शरण 'ग्रामीण' ने किया। मुख्य अतिथि बाबूलाल दाहिया ने कहा कि प्रेमचंद की रचनाएं केवल कथाएं नहीं,बल्कि भारतीय समाज के नैतिक,सांस्कृतिक और ऐतिहासिक यथार्थ का जीवंत दस्तावेज हैं। 'नमक का दरोगा' और 'ईदगाह' जैसी रचनाएं मनोरंजन से परे मूल्यबोध और सामाजिक चेतना जगाती हैं। अध्यक्षता कर रहे रामलाल सिंह परिहार ने कहा कि प्रेमचंद को समझने के लिए उनके साहित्य को जीवनानुभवों से जोड़कर पढ़ना आवश्यक है। विशिष्ट अतिथि विजय शंकर चतुर्वेदी ने कहा कि प्रेमचंद ने किसान,स्त्री और उपेक्षित वर्गों के संघर्ष को अमर कर दिया। साहित्य का उद्देश्य समाज को दिशा दिखाना है। गोष्ठी में कालिका त्रिपाठी,राजेंद्र सिंह परमार,रामहित त्रिपाठी,बालेंदु प्रभाकर,अरुण पयासी और पी.के.अहिरवार सहित अन्य वक्ताओं ने भी विचार व्यक्त किए। सभी ने माना कि प्रेमचंद के विचारों को जीवन में आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

ककरा आंगनबाड़ी में पोषण आहार में लापरवाही का आरोप, बच्चों को दी जा रही नमक-पूड़ी

मैहर।

ग्राम ककरा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को मिलने वाले पोषण आहार को लेकर गंभीर अनियमितता के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि शासन द्वारा निर्धारित पौष्टिक भोजन के बजाय बच्चों को केवल नमक और पूड़ी परोसी जा रही है,जो बच्चों की सेहत के साथ खिलवाड़ है। ग्रामीणों ने महिला एवं बाल विकास विभाग और प्रशासनिक अधिकारियों से इस मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

आरसीसीपीएल की लोक सुनवाई में जिला पंचायत सदस्य जयंती ने उठाए जनहित के मुद्दे

मैहर। भरौली में आयोजित आरसीसीपीएल प्राइवेट लिमिटेड की क्षमता विस्तार (सेकेंड यूनिट) से संबंधित लोक सुनवाई में जिला पंचायत सदस्य जयंती तिवारी ने प्रभावित क्षेत्र के लोगों के अधिकार और हितों की बात मजबूती से रखी। अपर कलेक्टर संजना जैन एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी सुधांशु तिवारी की उपस्थिति में उन्होंने मांग की कि कंपनी का सीएस आर फंड मुख्य रूप से प्रभावित गांवों के विकास पर खर्च होना चाहिए। साथ ही,जिन किसानों की भूमि अधिग्रहित हुई है,उन्हें प्राथमिकता के आधार पर रोजगार और प्रदूषण नियंत्रण के प्रभावी उपाय सुनिश्चित किए जाएं।

विंध्य चेंबर में 'चेंबर से मिलिए' कार्यक्रम: रीवा आईजी ने सुनीं व्यापारियों की समस्याएं

सतना। विंध्य चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के भवन में आयोजित 'चेंबर से मिलिए' संवाद कार्यक्रम में रीवा संभाग के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) गौरव राजपूत शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शहर की सुरक्षा व्यवस्था,नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और बढ़ती ट्रैफिक अव्यवस्था पर सीधी चर्चा करना था। व्यापारियों ने प्रमुख बाजारों में रात्रि गश्त बढ़ाने,सीसीटीवी कैमरों का दायरा विस्तार करने और सुचारू पार्किंग व्यवस्था लागू करने के सुझाव दिए। आईजी गौरव राजपूत ने आश्वासन दिया कि व्यापारी वर्ग समाज की रीढ़ है और उनकी सुरक्षा प्राथमिकता है। उन्होंने ट्रैफिक पुलिस को ठोस कार्ययोजना बनाने और नियमित रूप से पुलिस-व्यापारी समन्वय बैठकें आयोजित करने का निर्देश देने की बात कही।

गौ माता को 'राष्ट्र माता' घोषित करने कलेक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपा

सतना।

सड़कों पर भटक रही गौवंश के संरक्षण और गौ माता को 'राष्ट्र माता' का संवैधानिक दर्जा दिलाने की मांग को लेकर गौशाला सम्मान आह्वान समिति ने सतना कलेक्ट्रेट में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। यह कदम राजेंद्र दास महाराज के नेतृत्व में चलाए जा रहे देशव्यापी हस्ताक्षर अभियान के तहत उठाया गया। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के प्रांत गौशाला संपर्क प्रमुख सचिन शुक्ला ने बताया कि आवारा और लावारिस गौवंश के उचित रखरखाव के लिए सख्त व पारदर्शी नीतियां बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने मांग की कि जिले की अनुदान प्राप्त गौशालाओं का पारदर्शी

निरीक्षण हो। सचिन शुक्ला ने कहा कि सतना के बगहा में उनकी संस्था गौशाला का सफल संचालन कर रही है और प्रशासन यदि सड़कों से गौवंश को एकत्र करे,तो वे उनके पुनर्वास और देखरेख की जिम्मेदारी उठाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

खबर संक्षेप

दूध एवं दुग्ध उत्पादों के लिए नमूने

पन्ना। दूध एवं दुग्ध उत्पादों में मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा अभियान चलाकर नमूना एवं निरीक्षण की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में जिले में भी लगातार नमूना एवं निरीक्षण की कार्रवाई जारी है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. राजेश कुमार राय ने सोमवार को मुख्य डाकघर तिराहा पन्ना में बाहर से आने वाले दूध विक्रेताओं को रोककर उनसे दूध के नमूने लिए गए, जिन्हें नियम अनुसार राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच उपरांत आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण की कार्रवाई सतत जारी रहेगी।

डॉ. शोभाराम ने दिखाई मानवता- अनाथ बच्ची की पढ़ाई की जिम्मेदारी ली

अजयगढ़। जिले के अजयगढ़ तहसील में विकास खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. शोभाराम शर्मा ने अनाथ एक बच्ची की पढ़ाई की जिम्मेदारी उठाकर मानवता की मिसाल पेश की। स्कूल की एक साल की फीस न जमा होने के कारण पढ़ाई नहीं जा पा रही बच्ची के लिए डॉ. शर्मा ने फीस जमा कराने के साथ ही यूनिफॉर्म, किताबें और स्कूली बैग भी दिलवाए। उन्होंने कहा कि वे ऐसे परोपकारी काम समय-समय पर करते रहते हैं और सार्वजनिकता की ओर ध्यान नहीं देते। उनका मानना है कि लड़कियों की शादी कराने से बेहतर है उन्हें शिक्षित करना ताकि वे अपना भविष्य खुद तय कर सकें। डॉ. शर्मा फिलहाल कुछ और बच्चों की भी सहायता कर रहे हैं ताकि आर्थिकतरू अभाव के कारण वे पढ़ाई से वंचित न हों।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू ने लगाए स्टार, श्रीमती आशुतोष अहिरवार उप निरीक्षक पद पर पदोन्नत

पवई। श्रीमती आशुतोष अहिरवार को सहायक उप निरीक्षक (अ) के पद से पदोन्नत होकर उप निरीक्षक (अ) नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू ने उनके कंधों पर स्टार लगाकर उन्हें पदोन्नति की शुभकामनाएं दीं। वर्तमान में श्रीमती आशुतोष अहिरवार की पदस्थापना कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला पन्ना में है। पदोन्नति के इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल और सफल भविष्य की कामना की। यह पदोन्नति उनके समर्पित कार्य, अनुशासन और उत्कृष्ट सेवाओं का सम्मान है, जिससे पुलिस विभाग में कार्यरत अन्य कर्मचारियों को भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

पति की प्रताड़ना से तंग गर्भवती महिला पहुंची थाने

पन्ना/अमानगंज। अमानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरवाह में एक गर्भवती महिला ने अपने पति पर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार, ग्राम पिपरवाह निवासी 27 वर्षीय प्रीति अवस्थी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी शादी 28 अप्रैल 2024 को बृजेन्द्र अवस्थी से हुई थी। उसका एक 15 माह का बेटा है और वह वर्तमान में पांच माह की गर्भवती है। महिला का आरोप है कि शादी के लगभग एक वर्ष बाद से पति शराब पीकर आए दिन गाली-गलौज, मारपीट और चरित्र पर गलत आरोप लगाने लगा।पीड़िता ने बताया कि 27 जुलाई की दोपहर जब वह अपने बच्चे के साथ घर में थी, तभी पति ने उससे पैसे मांगे। पैसे नहीं होने की बात कहने पर उसने बाल पकड़कर पटक दिया और थप्पड़ व घूंसों से मारपीट की। शोर सुनकर सास, ससुर और जेठों ने बीच-बचाव किया। आरोप है कि जाते-जाते पति ने मायके चले जाने और अन्यथा जान से मारने की धमकी भी दी।मारपीट में महिला को आंख, गले और मुंह के पास चोटें आई हैं। पीड़िता की शिकायत पर अमानगंज थाना पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी), 115(2) एवं 351(3) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

भक्तमाल कथा का भव्य समापन, 29 जुलाई को टेक्निकल ग्राउंड में होगा गुरु चरण पूजन एवं विशाल भंडारा

श्री जुगल किशोर सरकार के दिव्य प्राकट्य की कथा सुन भाव-विभोर हुए हजारों श्रद्धालु, पन्ना को धार्मिक पर्यटन की नई पहचान दिलाने का लिया संकल्प

पन्ना।

श्री जुगल किशोर सरकार सप्तनिधि धाम, पन्ना में आयोजित 15 दिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के अंतर्गत भक्तमाल कथा का अत्यंत भव्य, दिव्य एवं भावपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। अंतिम दिवस गोरेलाल कुंज में परम पूज्य रसिकाचार्य महंत श्री श्री 108 स्वामी किशोर दास जी महाराज के श्रीमुख से भक्तमाल कथा का अमृतमयी प्रवचन हुआ। कथा के दौरान भगवान श्री जुगल किशोर सरकार के दिव्य प्राकट्य की अलौकिक महिमा का ऐसा मार्मिक एवं भावपूर्ण वर्णन किया गया कि पूरा कथा पंडाल ष्राधे-राधेष और ष्जय जुगल किशोर सरकारष के जयघोष से गूंज उठा। हजारों श्रद्धालु कथा श्रवण कर भक्ति रस में डूब गए। महंत स्वामी किशोर दास जी महाराज ने अपने प्रवचन में बताया कि भगवान श्री जुगल किशोर सरकार का प्राकट्य माघ शुक्ल एकादशी, संवत 1620 को संत शिरोमणि श्री हरिराम व्यास जी के स्वप्न निर्देश पर वृंदावन के किशोर वन स्थित एक लता के चौदह हाथ नीचे से हुआ था। उन्होंने विस्तार से बताया कि एक रात्रि श्री हरिराम व्यास जी को स्वप्न में स्वयं भगवान ने दर्शन देकर कहा कि वे श्री राधारानी के साथ उस लता 14 हाथ नीचे विराजमान हैं और उन्हें बाहर निकालकर विधिवत स्थापित किया जाए। जब व्यास जी ने भगवान से पूछा कि क्या वे अकेले हैं, तब प्रभु ने उत्तर दिया कि वे श्री राधारानी के साथ युगल स्वरूप में प्रकट हो रहे हैं। इसके बाद संत श्री हरिराम व्यास जी ने उस लता के 14 हाथ नीचे से भगवान श्री जुगल किशोर सरकार के दिव्य युगल विग्रह को प्रकट कर भक्तों को दर्शन कराए। महाराज श्री ने कहा कि यह केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि भगवान की अपने भक्तों पर असीम कृपा का दिव्य प्रमाण है। महंत श्री ने कहा कि गुरु की कृपा और भगवान की अनुकम्पा के बिना न तो भक्ति का मार्ग सुगम होता है और न ही इतने विराट आध्यात्मिक आयोजन संभव हो पाते हैं। उन्होंने पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह, उनके परिवार तथा आयोजन को सफल बनाने वाले सभी संत-महात्माओं, सेवकों, स्वयंसेवकों और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि भगवान श्री जुगल किशोर सरकार की विशेष कृपा सभी पर सदैव बनी रहे और यह आध्यात्मिक चेतना निरंतर बढ़ती रहे। इस अवसर पर जोधपुर से पूज्य गोवत्स श्री राधाकृष्ण जी महाराज ने वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि परम पूज्य महंत स्वामी किशोर दास जी महाराज एवं परम पूज्य श्री राजेंद्र दास जी महाराज के श्रीमुख से हुई कथा दिव्य, अलौकिक और भक्तिरस से परिपूर्ण रही। उन्होंने आयोजन समिति, सेवायत परिवार तथा पूर्व मंत्री एवं विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह सहित सभी श्रद्धालुओं को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व मंत्री एवं पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह ने श्री जुगल किशोर सरकार सप्तनिधि धाम के सभी पुजारियों का सम्मान कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह आयोजन किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि गुरु कृपा और भगवान श्री जुगल किशोर सरकार की असीम अनुकम्पा का परिणाम है। देश के विभिन्न राज्यों से संतों का आगमन, प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता तथा पूरे महोत्सव का सफल संचालन इस बात का प्रमाण है कि भगवान श्री जुगल किशोर सरकार की महिमा अब देशभर में फैल रही है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक कार्यक्रम करना नहीं, बल्कि पन्ना को भगवान श्री जुगल किशोर सरकार की पावन नगरी के रूप में स्थापित करना और धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देना है। आज बड़ी संख्या में श्रद्धालु पन्ना पहुँच रहे हैं और आने वाले समय में यह धाम देश के प्रमुख तीर्थों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगा। बृजेंद्र प्रताप सिंह ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी सहयोगियों,संतों, सेवकों, प्रशासन, पुलिस, मीडिया, तथा प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि परम पूज्य श्री राजेंद्र दास जी महाराज का निर्देश है जुगल किशोर महोत्सव प्रतिवर्ष तीन दिन का आयोजित किया जाए। गुरु चरणों में विनम्र प्रार्थना है कि उनके आशीर्वाद से यह दिव्य परंपरा निरंतर चलती रहे और प्रत्येक वर्ष इससे भी अधिक भव्य आयोजन होगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से विशेष आग्रह करते हुए कहा कि 29 जुलाई को टेक्निकल ग्राउंड, पन्ना में परम पूज्य गुरुदेव के पावन चरणों का पूजन एवं विशाल भंडारे का आयोजन होगा। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु गुरु चरणों का पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे तथा महाप्रसाद ग्रहण करेंगे। उन्होंने सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस दुर्लभ आध्यात्मिक अवसर का लाभ लेने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि श्री जुगल किशोर सरकार मंदिर में पहली बार भव्य फूल बंगला उत्सव का आयोजन किया जाएगा। मंदिर को वृंदावन की परंपरा के अनुरूप सुगंधित पुष्पों से सजाया जाएगा और भगवान श्री जुगल किशोर सरकार का मनोहारी फूल बंगला श्रृंगार किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से इस अद्वितीय दिव्य दर्शन 28 और 29 जुलाई को लाभ लेने का भी आग्रह किया। समापन समारोह में रामपुर बघेलान के विधायक विक्रम सिंह, अनेक संत-महात्मा, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे। संपूर्ण वातावरण भक्ति, श्रद्धा और गुरु महिमा से ओतप्रोत रहा। भक्तमाल कथा के समापन के साथ गुरु पूर्णिमा महोत्सव ने पन्ना की धार्मिक एवं सांस्कृतिक गरिमा को नई ऊँचाइयाँ प्रदान करते हुए श्रद्धालुओं के हृदय में अमिट आध्यात्मिक स्मृतियाँ छोड़ दीं।

कुछ भी करो मेरी विधानसभा में विद्युत कटौती नहीं होना चाहिए

वरना आपके कार्यालय में आकर बैठ जाउंगा-विधायक गुनौर डॉ0 राजेष वर्मा

विद्युत कटौती को गंभीरता से गुनौर विधायक डॉ. राजेष वर्मा ने लिया। वैसे तो समूचे जिले में विद्युत कटौती की मनमानी जारी है। बिना सूचना के विद्युत काट दी जाती है। वहीं जिला मुख्यालय में भी इसी तरह के हालात विद्युत कटौती के आये दिन सामने आते है। अति का अंत जरूर होता है डॉ. राजेष वर्मा विधायक गुनौर ने सख्त लहजे में कार्यपालन यंत्री विद्युत को मोबाईल पर ही समझाईस दी। कुछ भी करो मेरी विधानसभा में कटौती विद्युत की नहीं होगी। वरना आपके कार्यालय के आकर बैठ जाउंगा। देखना यह है कि अब होता है सुधार की नहीं।

पन्ना

विद्युत व्यवस्था को लेकर इस समय समूचे जिले में मनमानी के हालात कायम है। खासकर जिला मुख्यालय में भी हालात विद्युत कटौती को लेकर आय दिन बिना सूचना के विद्युत कटौती कर दी जाती है। वहीं विद्युत बिलो में मनमानी के हालात कायम है। विद्युत विभाग आखिरकार इस कार्यप्रणाली को क्यों अंजाम दे रहा है यह तो समझ से परे है। जब समस्या आय दिन बन जाती है तो कहीं न कहीं लोगो में उसके प्रति निदान के लिए भी प्रयास जारी हो जाते है। उदाहरण के तौर पर गुनौर विधानसभा के किसानों व आम जनता ने अपने विधायक से आप बीती सुनाई। विद्युत कटौती को लेकर फिर क्या था तेज तर्रार विधायक गुनौर डॉ. राजेष वर्मा जो अपनी कार्यप्रणाली को लेकर जाने जाते है सीधे मोबाईल से कार्यपालन यंत्री विद्युत विभाग को समझाईस दी कुछ भी करो मेरी विधानसभा में विद्युत कटौती हनीं चलेगी। हमें लोग फोन करके बता रहे है। किसान परेषान है आखिर समस्या में सुधार नहीं होगा तो मैं आपके कार्यालय में बैठ जाउंगा। विधायक का यह अंदाज सोषल मीडिया में चर्चा का विषय भी बना हुआ है। वहीं देखना यह है कि कार्यपालन यंत्री विद्युत विभाग क्या विद्युत कटौती को लेकर सुधार कर पायेगें या फिर गुनौर विधायक के इनके कार्यालय में आकर बैठना पडेगा। यह तो आगे आने वाला वक्त ही तय करेगा। आगे होता है क्या? क्या विद्युत कटौती जो मनमानी तरीके से की जा रही है रूकती है कि नहीं या फिर विधायक को इनके कार्यालय में ही पहुंचकर विद्युत कटौती को बंद कराने को लेकर बैठना होगा। देखना यह है कि होता है क्या?

कलेक्टर ने टीएल बैठक में समीक्षा कर दिए निर्देश

पन्ना।

कलेक्टर ऊषा परमार ने सोमवार को संपन्न हुई टीएल बैठक में विभागवार लंबित प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में हुई साप्ताहिक समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित टीएल और जनसुनवाई के लंबित प्रकरणों के समय सीमा में निराकरण के लिए निर्देशित किया गया।

उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें प्रथम स्तर पर नॉट अटेंड न रहें। समयबद्ध रूप से प्रभावी निराकरण की कार्यवाही करें और विभाग की ए श्रेणी के बावजूद भी लंबित शिकायतों का निराकरण निरंतर हो। समय सीमा बाह्य प्रकरणों में भी वांछित सुधार लाएं। विशेष रूप से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं ऊर्जा विभाग के अधिक संख्या में लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों को समयावधि में निराकृत करने के लिए कहा। इसी तरह स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत शिक्षकों के स्वत्व संबंधी मामलों में त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए। जिला कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन में हर माह की 20 तारीख के पूर्व ही विभाग की ए श्रेणी के लिए विशेष प्रयास करें। टीएल बैठक में निर्माण विभाग के अधिकारियों को श्रम विभाग से समन्वय कर सभी पात्र श्रमिकों के प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना में पंजीयन के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने कहा कि मंगलवार की जनसुनवाई में समस्त अधिकारी अनिवार्य रूप से जिला मुख्यालय पर उपस्थित रहें। समस्त एसडीएम और तहसीलदार भी ऑनलाइन लिंक के जरिए जनसुनवाई में जुड़ें। आरआरसी, लंबित नामांतरण एवं सीमांकन प्रकरणों, सड़क सुरक्षा तथा पेयजल गुणवत्ता व जल परीक्षण के विषयों पर भी आवश्यक चर्चा की गई। इसके अलावा कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के एजेंडा बिन्दुओं तथा आगामी 31 जुलाई को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रस्तावित समीक्षा बैठक के संबंध में भी चर्चा कर अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी एवं अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे सहित अन्य विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बस किराया बढ़ाने और लंबित मांगों को लेकर पन्ना बस संगठन ने दी आंदोलन की चेतावनी

पन्ना। डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बेतहाशा बढ़ोतरी और पिछले पांच वर्षों से बस किराए में कोई संशोधन न होने से नाराज पन्ना बस संगठन ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मध्य प्रदेश बस ओनर्स एसोसिएशन के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर पन्ना जिला बस संगठन ने भी सरकार को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी जायज मांगें पूरी नहीं की गईं, तो आगामी 7 अगस्त की रात 12 बजे से जिले सहित पूरे प्रदेश में बसों का चक्काजाम कर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी जाएगी।पन्ना बस संगठन के पदाधिकारियों ने मीडिया को बताया कि वर्ष 2021 में जब किराया तय हुआ था, तब डीजल की कीमत 69 रुपये प्रति लीटर थी, जो अब 100 रुपये के पार पहुंच चुकी है। इसके अलावा बसों के टैक्स, स्पेयर पार्ट्स, टायर और इंश्योरेंस की कीमतों में भी भारी इजाफा हुआ है। ऐसी स्थिति में वर्तमान किराया दर 1.25 रुपये प्रति किलोमीटर पर बसों का संचालन करना पूरी तरह घाटे का सौदा साबित हो रहा है। संगठन ने मांग की है कि साधारण बसों का किराया बढ़ाकर 2.50 रुपये प्रति किलोमीटर किया जाए और इसी अनुपात में लग्जरी व एसी बसों के किराए में भी बढ़ोतरी की जाए।

संगठन की मुख्य मांगें-

रूकिराया वृद्धिरू बसों का मूल किराया 1.25 रुपये से बढ़ाकर 2.50 रुपये प्रति किलोमीटर किया जाए।टेंडर प्रक्रिया निरस्त होरू टेंडर के जरिए रॉयल्टी वसूलने की तैयारी को तुरंत बंद किया जाए। नए वाहनों का पंजीयनरू परिवहन विभाग द्वारा रोके गए लगभग 1200 नए वाहनों का पंजीयन बिना किसी प्रताड़ना के जल्द किया जाए।समयबद्ध छूटरू मोटर यान अधिनियम (1988) की धारा 110 (3) के तहत राज्य सरकार केंद्र के नियमों में समयबद्ध छूट प्रदान करे।

15 वर्ष की आयु सीमा की शर्त हटे-

पूर्व से संचालित बसों के लिए 15 वर्ष की समय सीमा और परमिट समाप्त करने की बाध्यता हटाई जाए। जब तक बस फिटनेस योग्य है, उसे संचालन की अनुमति मिले।पन्ना बस संगठन ने कहा कि वे जनता को परेशान नहीं करना चाहते और पूर्व में भी वार्ता के आश्वासन पर हड़ताल टाली गई थी। लेकिन अब बस मालिकों के सामने भुखमरी की स्थिति आ गई है। यदि 7 अगस्त तक सरकार ने सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो पन्ना जिले की सभी बसों के पहिए थम जाएंगे।

शराब की लत पड़ी महंगी, साधु से लूट के 2 आरोपी जेल भेजे

शाहनगर पुलिस ने 24 घंटे में किया खुलासा

पन्ना।

जिले के शाहनगर पुलिस ने 24 जुलाई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सामने वृद्ध साधु से हुई लूट का 24 घंटे में खुलासा कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पन्ना पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडु के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह चौहान के मार्गदर्शन में शाहनगर टीआई 'परसराम डाबर के नेतृत्व में तत्काल टीम गठित कर कार्रवाई की गई। मामले की विवेचना कर रहे एएसआई मनोज यादव ने बताया कि 24 जुलाई को दोपहर करीब 2 बजे कचौरी हाल, हाल मुकाम महगवां घाट निवासी 65 वर्षीय बाला प्रसाद राठौर दवाई कराकर घर लौट रहे थे। अस्पताल गेट के पास खड़े बाला प्रसाद को बाइक सवार 2 युवकों ने लिफ्ट देने के बहाने बिसानी गांव के जंगल में ले जाकर 12 हजार रुपये नगदी और जरूरी दस्तावेज लूट लिए। फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि शराब पीने और दैनिक खर्चे के लिए उन्होंने लूट की वारदात को अंजाम दिया था।

गिरफ्तार आरोपी-

1. विष्णु राजा दान सिंह राठौर, उम्र 24 वर्ष निवासी महगवां घाट

2. घनश्याम सिंह राठौर, उम्र 24 वर्ष निवासी महगवां घाट

पुलिस ने आरोपियों से लूटे गए 12 हजार रुपये, दस्तावेज और वारदात में उपयोग की गई मोटरसाइकिल क्रमांक डच-3र्5म-7480 जप्त कर ली है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पवई न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में एएसआई मनोज यादव, प्रधान आरक्षक मनोज त्रिपाठी, आरक्षक राकेश सिंह, सोहन भिलाला,गोविन्द अहिरवार राजकुमारी मंडलोई दीक्षा सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नीट परीक्षा में सफलता पर विमल किशोर लोधी के पिता शिक्षक नंदकिशोर सिंह का शिक्षकों ने किया सम्मान

अजयगढ़। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोरा में नीट परीक्षा में सफलता प्राप्त करने वाले छात्र विमल किशोर लोधी के पिताजी शिक्षक नंदकिशोर लोधी का शिक्षकों की टीम द्वारा गुलदस्ता एवं मिठाई खिलाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर संकुल प्राचार्य, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खोरा की अध्यक्षता में छात्र को गुलदस्ता भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोधी युवा महासभा पन्ना के जिला अध्यक्ष श्री चंद्रशेखर सिंह, जन शिक्षक श्री सतेंद्र सिंह, जन शिक्षक श्री विजयपाल सिंह सहित संकुल के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने शिक्षक श्री नंदकिशोर सिंह के पुत्र विमल किशोर लोधी को नीट परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। उपस्थित सभी शिक्षकों ने कहा कि विमल की यह उपलब्धि क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी सफलता से विद्यालय, परिवार एवं पूरे क्षेत्र का नाम गौरवान्वित हुआ है। समारोह का समापन छात्र के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ हुआ।

भाजपा कार्यालय में संत रविदास जयंती समरसता अभियान हेतु जिला कार्यशाला आयोजित

पन्ना। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व की मंशानुसार संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास महाराज जी की 650वीं जयंती के पावन उपलक्ष्य में सोमवार को जिला भाजपा पन्ना द्वारा ष्समरसता संकल्प अभियानष के अंतर्गत जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया।इस कार्यशाला में समरसता सामाजिक सद्भाव, सेवा एवं संगठनात्मक दायित्वों पर विस्तृत मार्गदर्शन मंचासीन अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई। उक्त कार्यक्रम 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक जिले के समस्त मण्डल अंतर्गत नगर व ग्राम स्तर पर आयोजित किये जायेंगे।कार्यशाला के मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र मिश्रा तथा अध्यक्षता जिला टोली के संयोजक व जिला उपाध्यक्ष भास्कर पाण्डेय ने की। कार्यशाला मे अन्य मंचासीन अतिथियों में अजयगढ़ नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती सीता सरोज गुप्ता, गुनौर नगर परिषद की अध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह देवेन्द्रनगर नगर परिषद की अध्यक्ष शिवांगी गुप्ता तथा जिला टोली के सह संयोजक व अनु. जाति मोर्चा के जिलाध्यक्ष संजय अहिरवार, जिला उपाध्यक्ष व सह संयोजक शैलेन्द्र सिंह राजपूत तथा जिला मंत्री श्रीमती विजया राजे परमार रही।इस जिला कार्यशाला में भाजपा जिला पदाधिकारीगण, मण्डल अध्यक्षगण व मण्डल टोली के नवनियुक्त संयोजक व सह संयोजक तथा सभी मोर्चा अध्यक्ष व महामंत्री उपस्थित रहें। कार्यशाला का सफल संचालन जिला महामंत्री माधवेन्द्र सिंह ने किया। जबकि आभार प्रदर्शन अमानगंज नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सारिका खटीक ने किया।

नशे से दूरी का संदेश, अमानगंज पुलिस ने विद्यार्थियों को दिलाई शपथ

अमानगंज। मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार चलाए जा रहे 15 दिवसीय ₹नशे से दूरी है जरूरी 2.0₹ जन-जागरूकता अभियान के तहत सोमवार को थाना अमानगंज पुलिस ने शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।थाना प्रभारी हेमंत नायक ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए सभी प्रकार के मादक पदार्थों से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है, इसलिए युवा वर्ग को इससे पूरी तरह दूर रहना चाहिए।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सुरेंद्र द्विवेदी, शिक्षकगण, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू के निर्देशन में आयोजित किया गया।

3 घंटे तक तहसील के बाहर प्रदर्शन, एडीएम विनय द्विवेदी ने दिया आश्वासन; एसडीओपी अमित मेश्राम करेंगे शिकायतों की जांच

8 दिन बाद सफाईकर्मियों की हड़ताल पर बनी सहमति, 48 घंटे में सीएमओ हटाने का भरोसा

नौगांव। जिले के नौगांव में पिछले आठ दिनों से हड़ताल पर चल रहे सफाईकर्मियों के आंदोलन में सोमवार को बड़ा मोड़ आ गया। तहसील कार्यालय के बाहर लगभग तीन घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद मौके पर पहुंचे एडीएम विनय द्विवेदी ने प्रदर्शनकारियों से चर्चा की और उनकी प्रमुख मांगों पर कार्रवाई का भरोसा दिया।एडीएम ने आश्वासन दिया कि 48 घंटे के भीतर सीएमओ आर.एस. अवस्थी को हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं सफाईकर्मियों द्वारा लगाए गए आरोपों और शिकायतों की जांच की जिम्मेदारी एसडीओपी अमित मेश्राम को सौंपी गई है। जांच के लिए पांच सदस्यीय दल गठित किया जाएगा, जो सफाई मित्रों के बयान दर्ज कर अपनी रिपोर्ट प्रशासन को सौंपेगा। प्रशासन के आश्वासन के बाद सफाई मित्रों ने सकारात्मक रुख दिखाया है। उम्मीद जताई जा रही है कि जांच प्रक्रिया शुरू होने और प्रशासनिक कार्रवाई के बाद हड़ताल समाप्त हो सकती है तथा सफाई कर्मचारी जल्द अपने कार्य पर लौटेंगे।
तहसील कार्यालय के बाहर करीब 3 घंटे चला प्रदर्शन। एडीएम विनय द्विवेदी ने वार्ता कर दिया आश्वासन। 48 घंटे में सीएमओ हटाने का भरोसा। एसडीओपी अमित मेश्राम करेंगे शिकायतों की जांच। पांच सदस्यीय दल दर्ज करेगा सफाई मित्रों के बयान। जल्द शुरू हो सकती है नगर की साफ सफाई व्यवस्था।

खबर संक्षेप

मृतका सुबुही खातून को न्याय दिलाने की मांग

छतरपुर। मृतका सुबुही खातून को न्याय दिलाने की मांग को लेकर उनकी बहनों सहित मुस्लिम समाज की महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आवेदन सौंपा। आवेदन में मृतका के ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच कर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। मृतका की बहन रुखसार खातून ने बताया कि उनकी बहन सुबुही खातून का विवाह 25 अक्टूबर 2025 को हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी छतरपुर निवासी फिरोज खान के साथ हुआ था। जिसमें सोने-चांदी के गहनों सहित गृहस्थी का सारा सामान दिया गया था। लेकिन निकाह के कुछ दिनों बाद ही दहेज की मांग को लेकर उसकी बहिन को ससुराल में सास, पति, जेठ, ननद द्वारा मायके से और दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा उसके साथ मारपीट कर उसे फांसी के फंदे पर लटका दिया गया। ससुराल वालों ने कहा कि उसने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी, जिसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों को सजा दिलाई जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोग लगातार मामले को वापस लेने का दबाव बना रहे हैं और उन्हें जान से मारने की धमकियां भी दी जा रही हैं।
रुखसार खातून ने कहा कि परिवार भय के माहौल में जी रहा है और उन्हें अपनी सुरक्षा की भी चिंता है। इसी कारण उन्होंने एसपी कार्यालय पहुंचकर लिखित आवेदन सौंपते हुए सुरक्षा उपलब्ध कराने तथा आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।
पीड़ित परिवार ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर मृतका सुबुही खातून को न्याय दिलाने और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की अपील की है।

सुरक्षित मार्ग की मांग को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे रहवासी

छतरपुर। शहर की शांति नगर कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 34 के रहवासियों ने सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर 33 केवी प्रस्तावित हाईटेंशन विद्युत लाइन के मार्ग में परिवर्तन की मांग को लेकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। रहवासियों ने कहा कि वर्तमान प्रस्तावित मार्ग आमजन की सुरक्षा के लिए जोखिमपूर्ण है और इससे भविष्य में गंभीर दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहेगी।
रहवासियों के अनुसार विद्युत विभाग गांधी आश्रम की बाउंड्री के समीप स्थित मुख्य गली से 33 केवी हाईटेंशन लाइन निकालने की तैयारी कर रहा है। यह मार्ग कॉलोनी का प्रमुख आवागमन मार्ग है, जहां से प्रतिदिन बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों के अलावा ट्रैक्टर, कार और अन्य भारी वाहन गुजरते हैं। ऐसे में हाईटेंशन लाइन गुजरने से किसी भी तकनीकी खराबी, स्पार्किंग या तार टूटने जैसी स्थिति में जन-धन की हानि हो सकती है।
ज्ञापन में रहवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रस्तावित 33 केवी लाइन को गांधी आश्रम की बाउंड्री के अंदर अथवा किसी अन्य सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग से डाला जाए। उन्होंने कहा कि इससे संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सकेगा और कॉलोनी के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।
रहवासियों ने प्रशासन से मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि क्षेत्रवासियों की सुरक्षा से जुड़ी आशंकाओं का समय रहते समाधान हो सके।

गोसेवकों ने कलेक्ट्रेट में सौंपा ज्ञापन, गौ संरक्षण के लिए केंद्रीय कानून की मांग

छतरपुर। गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत सोमवार को जिले के गोसेवकों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला प्रशासन के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में देशभर में गौहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, गोमाता को राष्ट्रमाता अथवा राष्ट्र आराध्या का राष्ट्रीय सम्मान देने तथा गोसेवा के लिए केंद्रीय गौ सेवा मंत्रालय का गठन कर सख्त केंद्रीय कानून लागू करने की मांग की गई।
गोसेवकों ने बताया कि अभियान के अंतर्गत देशभर में व्यापक जनजागरण चलाया जा रहा है। इसके तहत 40 करोड़ नागरिकों के हस्ताक्षर एकत्र कर केंद्र और राज्य सरकार को प्रार्थना पत्र सौंपने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के अनुसार 27 अक्टूबर 2026 को ₹गो सम्मान दिवस₹ के रूप में मनाया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विजय मंत्र ₹श्री राम जय राम जय जय राम₹ का संकीर्तन करने के बाद जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन भेजा गया। उन्होंने सरकार से गौ संरक्षण को लेकर प्रभावी कदम उठाने और देशभर में गोवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान अभियान से जुड़े कई गोसेवक एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से 55 वर्षीय किसान की मौत, आक्रोशित परिजनों ने हाईवे पर लगाया जाम

छतरपुर। गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में 55 वर्षीय किसान की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार पृथ्वीपुर निवासी जागेश्वर पाल को गरेला-कुर्राहा के बीच एनएच-86 पर टोल टैक्स के पास किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया, जबकि जागेश्वर पाल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग और मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने अज्ञात वाहन चालक की शीघ्र गिरफ्तारी और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग-86 पर जाम लगा दिया। जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात कई घंटों तक बाधित रहा।
सूचना मिलने पर गढ़ी मलहरा थाना प्रभारी रीता सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं और लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन व ग्रामीण कार्रवाई की मांग पर अड़े रहे। बाद में थाना प्रभारी एवं वरिष्ठ नागरिकों की समझाइश के बाद लोगों ने जाम समाप्त किया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं अज्ञात वाहन की पहचान के लिए पुलिस आसपास के सीसीटीवी और वीडियो फुटेज की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी वाहन एवं चालक का पता लगाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर ले जाने का प्रयास नाकाम, मुस्लिम युवक पर एफआईआर दर्ज

छतरपुर। शहर के सिटी कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग बच्ची को कथित रूप से बहला-फुसलाकर ले जाने के प्रयास का मामला सामने आया है। पुलिस और विश्व हिंदू परिषद की तत्परता से बच्ची को सुरक्षित बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। मामले में आरोपी युवक अमन राइन के खिलाफ परिजनों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की जा रही है।जानकारी के अनुसार, परिजनों का आरोप है कि बीती रात करीब 2 बजे आरोपी युवक अमन राइन ने नाबालिग बच्ची को अपने साथ ले जाने का प्रयास किया और विरोध करने पर परिवार को जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने साहस दिखाते हुए पूरी घटना की जानकारी अपने परिजनों को दी, जिसके बाद विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने तत्काल पुलिस से संपर्क किया। सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस सक्रिय हुई और आरोपी के पिता को थाने बुलाकर पूछताछ की। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया और उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया। विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों का आरोप है कि संबंधित युवक पहले भी कई हिंदू लड़कियों को अपने जाल में फंसाने का प्रयास कर चुका है। वहीं, थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों की शिकायत के आधार पर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही है तथा मामले की जांच के बाद नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को दें।

पिता को बंधक बनाकर संपत्ति हड़पने का आरोप, कोर्ट ने जारी किया सर्च वारंट

छतरपुर। गौरिहार थाना क्षेत्र के ग्राम खड्डी निवासी बृजेश कुमार दीक्षित ने अपने पिता सिद्धगोपाल दीक्षित को अवैध रूप से बंधक बनाने और पैतृक संपत्ति हड़पने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़ित बृजेश कुमार के अनुसार, नागेंद्र दीक्षित, प्रियंका द्विवेदी, कृष्णकुमार दीक्षित, अनिल दीक्षित तथा सियाराम द्विवेदी ने मिलकर उनके पिता को बंधक बनाकर रखा हुआ है और उनसे मिलने नहीं

दिया जा रहा। आरोप है कि अनावेदकों द्वारा धोखाधड़ी से संपत्ति की रजिस्ट्री करा ली गई है तथा पेंशन राशि भी हड़पी जा रही है। मामले में एसडीएम न्यायालय गौरिहार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 100 एवं 101 के तहत संज्ञान लेते हुए सर्च वारंट जारी किया है तथा थाना प्रभारी गौरिहार को वृद्ध पिता को मुक्त कराकर न्यायालय में प्रस्तुत करने के आदेश दिए हैं।

बिहारी जी सरकार मंदिर में कलश चोरी का जल्द खुलासा करने की मांग, ग्रामीणों ने एसपी कार्यालय में सौंपा आवेदन

छतरपुर। बगोता गांव स्थित बिहारी जी सरकार मंदिर से कलश चोरी होने के मामले को लेकर ग्रामीणों ने सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आवेदन सौंपा। ग्रामीणों ने पुलिस से मांग की कि मंदिर में हुई चोरी की घटना का जल्द से जल्द खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। उनका कहना है कि धार्मिक स्थल पर हुई चोरी से लोगों की आस्था को ठेस पहुंची है और क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है।
ग्रामीण त्रिलोक सिंह चंदेल ने बताया कि बगौता गांव में मंदिर से कलश की चोरी हो गई थी जिसमें एफआईआर भी करवाई गई थी लेकिन आज तक पुलिस द्वारा कोई खुलासा नहीं किया गया जिसके लिए आज एसपी को आवेदन देने आए हैं। आज तक गांव में जांच के लिए कोई पुलिसकर्मी नहीं गया है। जबकि गांव में लगे कैमरों में तीन लोग दिखाई दे रही हैं वो फुटेज भी हमने पुलिस को दिया। अगर चोरी का खुलासा जल्द नहीं होता तो हम लोग धरने पर बैठेंगे। एक अन्य ग्रामीण पुष्पराज सिंह चंदेल ने बताया कि बगौता में बिहारी सरकार मंदिर जो सौ वर्ष पूर्व का बना हुआ है। जिसमें 19 तारीख को कलश चोरी घटना हुई जिसमें हमने एफआईआर भी करवाई लेकिन पुलिस ने आज दिनांक तक न चोर पकड़े और न ही खुलासा किया। आज पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देने आए हैं। एसपी कार्यालय में आवेदन लेने पहुंचे डीएसपी अरविंद सिंह दांगी ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि मामले की जांच पुलिस गंभीरता से कर रही है। उन्होंने बताया कि चोरी की घटना के खुलासे के लिए पुलिस की टीम लगातार कार्य कर रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। पुलिस ने ग्रामीणों से धैर्य बनाए रखने की अपील की है।

बागेश्वर धाम में रात्रिकालीन स्वच्छता अभियान, सुंदरकांड मंडलों ने दिया स्वच्छता का संदेश

छतरपुर। बागेश्वर धाम में आयोजित नवदिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति के बीच धाम को स्वच्छ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए विशेष रात्रिकालीन स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का संचालन बागेश्वर धाम सुंदरकांड मंडल द्वारा किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य धाम परिसर की साफ-सफाई के साथ श्रद्धालुओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।
रविवार रात्रि आयोजित विशेष स्वच्छता अभियान में देशभर से आए लगभग 200 से अधिक स्वयंसेवकों ने मंदिर परिसर, परिक्रमा मार्ग, श्रद्धालुओं के दर्शन मार्ग, यज्ञशाला, कथा स्थल सहित धाम परिसर के विभिन्न स्थानों पर झाड़ू लगाकर सफाई की। स्वयंसेवकों ने सेवा भाव के साथ स्वच्छता का संदेश देते हुए

श्रद्धालुओं को भी अपने आसपास सफाई बनाए रखने के लिए प्रेरित किया।इन दिनों बागेश्वर धाम में नवदिवसीय गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन जारी है, जिसमें देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए बागेश्वर धाम समिति द्वारा देशभर में गठित सुंदरकांड मंडलों के सदस्य भी सेवा कार्यों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। सुंदरकांड मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश-दुनिया से आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को बागेश्वर धाम स्वच्छ, सुंदर और व्यवस्थित स्वरूप में मिले। साथ ही श्रद्धालु बालाजी महाराज के दर्शन के साथ स्वच्छता का संदेश अपने घर और समाज तक पहुंचाएं तथा अपने-अपने क्षेत्रों में भी लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करें।

राजनगर के विक्रमपुर में सूने मकान से जेवर-नकदी चोरी, कार्रवाई नहीं होने पर पीड़ित परिवार ने एसपी से लगाई गुहार

छतरपुर। राजनगर थाना क्षेत्र के ग्राम विक्रमपुर में 18 जुलाई को चोरों ने अहिरवार परिवार के एक सूने मकान को निशाना बनाकर जेवरात और नगदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य जम्मू में मजदूरी करने गए हुए थे, जिसका फायदा उठाते हुए अज्ञात चोरों ने घर के लोहे का गेट तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।पीड़ित किशोर अहिरवार तनय हरचटिया अहिरवार के मुताबिक घर लौटने पर उन्हें चोरी की जानकारी मिली। उन्होंने मामले की सूचना राजनगर थाना पुलिस को दी, लेकिन आरोप है कि अब तक पुलिस ने मामले में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। इससे परेशान होकर परिवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर आवेदन सौंपा और शीघ्र कार्रवाई की मांग की।परिवार का कहना है कि चोरी के दौरान घर के अंदर एक टी-शर्ट भी मिली, जो उनके किसी भी सदस्य की नहीं है। जब उन्होंने गांव में लोगों को वह टी-शर्ट दिखाई तो कई ग्रामीणों ने उसकी पहचान भी की। पीड़ितों का आरोप है कि इस महत्वपूर्ण सुराग के बावजूद पुलिस ने अब तक कोई प्रभावी जांच नहीं की है। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कर चोरी का खुलासा करने, आरोपियों की गिरफ्तारी तथा चोरी गए जेवरात और नगदी की बरामदगी की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि आवेदन के आधार पर मामले की जांच की जाएगी और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध अहातों पर कार्रवाई बेअसर, शराब ठेकों के बाहर फिर सजने लगे ठेले-टिलिया

छतरपुर। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में शराब दुकानों के बाहर अवैध रूप से संचालित ठेले, ठिलिया और गुमटियां एक बार फिर लोगों की परेशानी का कारण बनती जा रही हैं। बस स्टैंड, चौबे तिराहा, पन्ना नाका और सटई रोड स्थित शराब दुकानों के बाहर शाम ढलते ही शराब पीने वालों की भीड़ जुटने लगती है। इससे आसपास रहने वाले लोगों, छात्रों और राहगीरों को असुविधा के साथ असुरक्षा का भी सामना करना पड़ रहा है।
नियमों के अनुसार शराब दुकानों की स्कूल, कॉलेज और धार्मिक स्थलों से निर्धारित दूरी होना अनिवार्य है। साथ ही राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट तथा आबकारी विभाग के दिशा-निर्देश भी लागू हैं। इसके बावजूद कई शराब दुकानों के बाहर खुलेआम शराब सेवन की स्थिति देखने को मिल रही है। सरकार द्वारा अधिकृत अहातों पर रोक लगाए जाने के बाद भी कई स्थानों पर ठेले-ठिलिया के माध्यम से अवैध अहातों जैसी व्यवस्था संचालित हो रही है।
पुलिस समय-समय पर अभियान चलाकर शराब दुकानों के बाहर लोगों को बैठाकर शराब पिलाने वाले ठेले संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करती है और उन्हें हिदायत भी दी जाती है। हालांकि यह कार्रवाई कुछ दिनों तक ही प्रभावी रहती है, जिसके बाद अवैध

गतिविधियां फिर शुरू हो जाती हैं। पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने पर लगातार कार्रवाई की जाती है और स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है।
कलेक्टर के निर्देशों के बाद देशी और विदेशी कंपोजिट शराब दुकानों के नए ठेकेदारों को भी स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए हैं कि दुकानों के बाहर किसी भी प्रकार से लोगों को बैठाकर शराब न पिलाई जाए। छात्रों और आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आबकारी अधिनियम के तहत विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई किए जाने की बात भी प्रशासन की ओर से कही गई है।
ग्राउंड जीरो पर की गई पड़ताल में सामने आया कि शहर के कई शराब ठेकों के आसपास अवैध रूप से संचालित ठेलों पर लोग शराब पीने के लिए आवश्यक सामग्री खरीदकर खुलेआम शराब का सेवन कर रहे हैं। चौबे तिराहा, पन्ना नाका और पन्ना रोड जैसे व्यस्त इलाकों में शाम के समय यह स्थिति अधिक गंभीर दिखाई देती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित और प्रभावी कार्रवाई के अभाव में अवैध अहातों का संचालन लगातार जारी है, जिससे कानून-व्यवस्था के साथ सामाजिक वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। ऐसे में नागरिकों ने प्रशासन से इन अवैध गतिविधियों पर सख्ती से रोक लगाने और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की है।

जिला अस्पताल में अब तक शुरू नहीं हुई पोस्टमार्टम की व्यवस्था

गांधी अस्पताल में बढ़ रहा मृतकों के पोस्टमार्टम का भार, परिजनों को भी होती है परेशानी

रीवा। जिला अस्पताल में अभी तक पोस्टमार्टम की सुविधा नहीं शुरू हो पाई है। अभी जिले में केवल संजय गांधी अस्पताल में पोस्टमार्टम की सुविधा है, जिसके ऊपर पूरे जिले मृतकों का पोस्टमार्टम करने का भार है। इस वजह से यहां मृतकों के परिजनों को पोस्टमार्टम कराने घंटों इंतजार करना पड़ता है। इस इंतजार में अगस्त मृतकों के परिजनों की मानसिक पीड़ा और बढ़ जाती है। बता दें वर्ष 2025 में संजय गांधी अस्पताल ने 1063 मृतकों के पोस्टमार्टम किए। इस परेशानी को देखते हुए ही तत्कालीन कलेक्टर ने विगत 8 अगस्त 2024 को जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम की सुविधा शुरू करने के निर्देश दिए थे। तब से जिला अस्पताल इस सुविधा को शुरू करने में सफल नहीं हो पाया है। बताते हैं कि गत वर्ष श्याम शाह मेडिकल कॉलेज ने पोस्टमार्टम शुरू करने जिला अस्पताल को किट दी थी, वह किट भी धरी रह गई। वही जिला अस्पताल प्रबंधन के अनुसार भवन के अभाव में यह प्रक्रिया रुकी है। पहले पोस्टमार्टम के लिए जो जगह आवंटित थी, वहां एनीमिक गर्भवती महिलाओं को भर्ती करने 15 बिस्तर का वार्ड बना दिया गया है। इस वार्ड में एनीमिक गर्भवती महिलाओं को भर्ती कर आयरन, सुक्रोज नियमित रूप से चढ़ाया जाता है। गायनी विभाग के अंतर्गत इस वार्ड का संचालन हो रहा है।

नया भवन हो सकता है उपयोगी

करीब पांच महीने पहले अस्पताल के 100 बिस्तर के भवन का विस्तार हुआ है। अभी तक इस नए भवन का उपयोग प्रबंधन द्वारा पूरी तरह से नहीं किया गया है। इस नए भवन में अगर एनीमिक गर्भवतियों को इलाज सुविधा देना आरंभ कर दें तो उक्त पुराना भवन खाली हो सकता है। बहरहाल, अभी इस बारे में अस्पताल प्रबंधन ने विचार नहीं किया हैं। इस संबंध में अस्पताल के सहायक प्रबंधक रवींद्रनाथ मिश्र ने बताया कि जगह की कमी के चलते प्रक्रिया रुकी हुई है। पहले जो जगह आवंटित हुई थी, वहां एनीमिक गर्भवतियों को भर्ती कर आयरन, सुक्रोज चढ़ाने की व्यवस्था बना दी गई है। पोस्टमार्टम के नए भवन के संबंध में फिलहाल कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

प्रत्येक विकासखंड में पोस्टमार्टम भवन का प्रस्ताव

उल्लेखनीय है कि गुढ़ स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 1996 तक एक कमरे में गया। वर्ष 2023 में ही तत्कालीन कलेक्टर ने गुढ़ में भी पोस्टमार्टम शुरु करने के निर्देश दिए लेकिन भवन न होने की बात कहकर केंद्र प्रबंधन ने अब तक यह सुविधा शुरु नहीं की। विगत माह सीएमएचओ कार्यालय ने यहां नए पोस्टमार्टम होता रहा। फिर बंद हो पोस्टमार्टम भवन के लिए 27 लाख रुपए का प्रस्ताव स्वास्थ्य संचालनालय को भेजा है। इसके अलावा, सिरमौर, सेमरिया सहित प्रत्येक विकासखंड में संचालित स्वास्थ्य केंद्रों में पोस्टमार्टम भवन बनाने के प्रस्ताव भेजे गए हैं। इनमें से कुछ जगह भवन बनने शुरु भी हो गए हैं।

लाठी चार्ज और पैलेट गन से पीड़ित देश के सभी छात्र-छात्राओं को न्याय मिले, अभी ज़श्न नहीं

पहले जख्मों को भरना है दमन चक्र लोकतंत्र के लिए घातक जन आंदोलन लोकतंत्र की प्राणवायुः अजय खरे

रीवा

समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि नीट परीक्षा लीक मामले में देश की राजधानी दिल्ली सहित विभिन्न भागों में हो रहे आंदोलन को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा हो जाना काफी नहीं है। इसके साथ शैक्षणिक ढांचे में बड़े बदलाव की जरूरत है। आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक क्षेत्र में बुनियादी बदलाव के बिना देश को विकसित नहीं बनाया जा सकता है। श्री खरे ने कहा कि देश के विकास की कल्पना समता के बिना अधूरी और अप्रासंगिक है। इस पर खुली चर्चा और संवाद की जरूरत है। लोकतंत्र सेनानी श्री खरे ने कहा कि नीट पेपर लीक मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफा लेने में काफी देरी करने से बड़े पैमाने पर आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं को पुलिस प्रताड़ना का शिकार होना पड़ा। श्री खरे ने कहा कि यदि देश भर के छात्र-छात्राओं ने अपने कैरियर की परवाह किए बिना एकजुटता नहीं दिखाई होती तो नीट पेपर लीक घोटाला मामला टांय-टांय फिस्स हो जाता। यह जन आंदोलन का असर है कि नीट पेपर लीक घटनाक्रम के दौरान आत्महत्या का शिकार बने छात्र-छात्राओं के परिजनों को एक करोड रुपए मुआवजा देने और छात्रों पर मनगढ़ंत आपराधिक मामले को वापस लेने के संबंध में सरकार को मांग माननी पड़ी है। यह भारी विडंबना है कि अभी तक निहत्थे छात्रों छात्राओं पर लाठी चार्ज और पैलेट गन का इस्तेमाल करने वाले दोषी पुलिसकर्मियों एवं बिना वर्दी वाले हमलावरों की शिनाख्त कर उन्हें दंडित नहीं किया गया। छात्र-छात्राओं की तरफ से हिंसा और प्रतिहिंसा नहीं हुई फिर भी उन पर आपराधिक मामले बनाए गए और गिरफ्तारियां हुईं। पुलिसिया लाठी चार्ज के दौरान अनेक छात्राओं के साथ अश्लीलता, निर्लज्जता और बर्बरता के मामले काफी शर्मनाक और आक्रोशित करने वाले हैं। घायल छात्र-छात्राओं को किसी तरह की राहत नहीं मिली है। अहिंसक आंदोलन के दौरान अपने ही देश के पुलिस बल के द्वारा छात्र-छात्राओं के ऊपर की गई दमनात्मक कार्यवाही ने इतिहास के पन्ने को रक्त रंजित और कलंकित किया है। इस बात को लेकर सत्ता पक्ष की ओर से माफी मांगना तो दूर खेद भी व्यक्त नहीं किया गया। आंदोलन के दबाव में काफी दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा लिया गया लेकिन उन्होंने समूचे घटनाक्रम के लिए एक बार भी अफ़सोस नहीं जताया। श्री खरे ने कहा कि निहत्थे छात्र छात्राओं को आंदोलन स्थल से खदेड़ने के लिए अर्द्धसैनिक बलों का दुरुपयोग किया गया। दिल्ली पुलिस ने भी दमनात्मक कार्यवाही में कोई कसर नहीं छोड़ी। इसके अलावा सरकारी संरक्षण में बिना वर्दी के लोगों ने आंदोलनकारियों के साथ मारपीट की। इतना ही नहीं छात्र-छात्राओं को अपमानित कर उन्हें उकसाने का काम भी किया गया। आंदोलन स्थल पर पुलिस प्रशासन के द्वारा जानबूझकर कुछ गाड़ियों में पत्थर रखवाए गए ताकि पुलिस लाठी चार्ज से अपने बचाव के लिए पीड़ित छात्र समुदाय उग्र होकर पथराव करें और फिर उन्हें बदनाम किया जा सके। लेकिन छात्र युवा वर्ग ने बखूबी सत्याग्रह धर्म का पालन करते हुए अपने को संयम में रखा। जन आंदोलनों का दमन देश के लोकतंत्र की हत्या है। अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति का पूरे देश में अहिंसक प्रतिकार जारी रहना चाहिए। श्री खरे ने कहा कि सरकार में बैठे लोगों की जीवन के हर क्षेत्र में जवाबदेही तय होना चाहिए। भ्रष्ट व्यवस्था में शामिल किसी मंत्री के इस्तीफे की मांग को सरकार को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाना उचित नहीं है। जन आंदोलन का सम्मान बरकरार रहना चाहिए। सरकार जनता के द्वारा एक निश्चित समय के लिए चुनी हुई व्यवस्था है लेकिन उसे बदलने का अधिकार भी जनता के पास है।

सड़क के लिए जमीन दी, बदले में मिली लाठियां!

दबंगों के डर से घर में कैद परिवार, पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

रीवा। विकास की राह में सबसे बड़ी जरूरत सड़क होती है, लेकिन जब सड़क निर्माण ही विवाद और हिंसा की वजह बन जाए तो सवाल व्यवस्था पर भी उठते हैं। ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत कठेरी से सामने आया है, जहां एक ग्रामीण ने जनहित में अपनी निजी जमीन बिना किसी शर्त के सड़क निर्माण के लिए प्रशासन को दे दी। आरोप है कि इसी बात से नाराज कुछ लोगों ने पहले सड़क निर्माण में बाधा डाली और फिर जमीनदाता के साथ बेरहमी से मारपीट कर दी।*पीड़ित रामसुचित पटेल का आरोप है कि उन्होंने गांव के लोगों की सुविधा के लिए अपनी जमीन प्रशासन को सौंप दी थी, लेकिन गांव के कुछ दबंग सड़क निर्माण का विरोध करने लगे। पहले पाइप डालने को लेकर विवाद खड़ा किया गया और बाद में धारदार हथियार, लाठी-डंडों से लैस होकर आए लोगों ने उन पर हमला कर दिया।रामसुचित के अनुसार, मिश्रीलाल पांडेय, नरेंद्र पटेल, सुरेंद्र मिश्रा, अशोक पटेल, इन्द्रपाल पटेल, रामू पटेल, रामकुमार पटेल, रजनीश यादव और बृजेश पांडेय ने मिलकर उनके साथ मारपीट की, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई।पीड़ित का आरोप है कि घटना की शिकायत पुलिस से की गई, लेकिन अब तक आरोपियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि आरोपी लगातार जान से मारने की धमकियां दे रहे हैं। पूरा परिवार भय के माहौल में घर से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। आरोप है कि आरोपी घर के बाहर घात लगाए बैठे रहते हैं और यहां तक कि बिजली के खंभे से घर का कनेक्शन भी काट दिया गया, जिससे परिवार अंधेरे और दहशत में रहने को मजबूर है।अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जनहित में अपनी जमीन देने वाले व्यक्ति को सुरक्षा कौन देगा? यदि विकास कार्यों में सहयोग करने वालों के साथ यही व्यवहार होगा, तो भविष्य में कौन आगे आकर अपनी जमीन या सहयोग देने का साहस करेगा? पीड़ित परिवार ने प्रशासन और पुलिस से तत्काल सुरक्षा तथा आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय की निविदाओं पर उठे सवाल- गैर-सुरक्षा कार्यों में PSARA लाइसेंस की अनिवार्यता से टेंडर फिक्सिंग की आशंका

राज भवन, मुख्यमंत्री को भेजी शिकायत, कुलसचिव से मिले शिकायतकर्ता

रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा द्वारा 8 जुलाई 2026 को जारी दो निविदाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। पहली निविदा क्रमांक 107/भंडार/2026 सुरक्षा प्रहरी, कुशल, अर्धकुशल एवं अकुशल श्रमिक, कंप्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर आदि की व्यवस्था के लिए जारी की गई है, जबकि दूसरी निविदा क्रमांक 106/भंडार/2026 सफाई कर्मी, कंप्यूटर ऑपरेटर, कारपेंटर तथा कुशल एवं अकुशल श्रमिकों की व्यवस्था हेतु आमंत्रित की गई है। जानकारों का आरोप है कि इन निविदाओं में ऐसी तकनीकी शर्तें जोड़ी गई हैं जिनकी वास्तविक आवश्यकता नहीं है। इससे खुली एवं पारदर्शी प्रतिस्पर्धा प्रभावित होने की आशंका है तथा किसी विशेष फर्म या कंपनी को लाभ पहुँचाने का प्रयास प्रतीत होता है। विशेष रूप से गैर-सुरक्षा कार्यों के लिए भी **PSARA Act**, 2005 (**Private Security Agencies Regulation Act**) के अंतर्गत लाइसेंस अनिवार्य करने पर आपत्ति जताई जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि **PSARA** अधिनियम केवल निजी सुरक्षा एजेंसियों एवं सुरक्षा गार्ड उपलब्ध कराने वाले कार्यों पर लागू होता है। सफाई कर्मी, कंप्यूटर ऑपरेटर, कारपेंटर, कुशल, अर्धकुशल एवं अकुशल श्रमिकों की आपूर्ति के लिए इस अधिनियम के तहत लाइसेंस की कोई कानूनी अनिवार्यता नहीं है। ऐसे कार्यों के लिए सामान्यतः कंपनी का वैध पंजीकरण, श्रम विभाग में पंजीयन, **epf**, **ESIC** एवं **GST** पंजीकरण ही पर्याप्त माने जाते हैं। इसके बावजूद गैर-सुरक्षा सेवाओं की निविदा में **PSARA** लाइसेंस की शर्त जोड़ने को लेकर यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रतिस्पर्धा सीमित करने तथा किसी विशेष फर्म को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से प्रतिबंधात्मक शर्तें शामिल की हैं।शिकायतकर्ता विमल प्रसाद मिश्रा काआरोप है कि दोनों निविदाओं में कंप्यूटर ऑपरेटर तथा कुशल, अर्धकुशल एवं अकुशल श्रमिकों का अलग-अलग उल्लेख किया गया है, जिससे कार्यों के दोहराव और भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है। इसके अलावा विश्वविद्यालय ने पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी चरित्र सत्यापन प्रमाणपत्र निविदा प्रकाशन तिथि के बाद का अनिवार्य किया है, जबकि ऐसे प्रमाणपत्र सामान्यतः छह माह तक वैध रहते हैं। इस कारण भी कई पात्र कंपनियों के प्रतिस्पर्धा से बाहर होने की संभावना बताई जा रही है। मामला यहीं तक सीमित नहीं है। आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने 17 जुलाई 2026 को एक संशोधन जारी कर निविदा की शर्तों में बदलाव किया, जिससे किसी विशेष कंपनी को लाभ पहुँचाने और टेंडर प्रक्रिया को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। जानकारों का कहना है कि यदि निविदा की शर्तें निष्पक्ष एवं समान अवसर के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं हैं तो इससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लग सकता है। विशेषज्ञों का मत है कि सरकारी एवं सार्वजनिक संस्थानों द्वारा निविदा शर्तें केवल कार्य की वास्तविक आवश्यकता के अनुरूप ही निर्धारित की जानी चाहिए। अनावश्यक एवं असंगत लाइसेंस या तकनीकी शर्तें जोड़ना प्रतिस्पर्धा को सीमित करता है और सार्वजनिक खरीद प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि लगाए जा रहे आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह मामला केवल निविदा प्रक्रिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सार्वजनिक धन के उपयोग, पारदर्शिता और प्रशासनिक जवाबदेही से भी जुड़ा महत्वपूर्ण विषय बन सकता है। अब सभी की निगाहें इस पर हैं कि विश्वविद्यालय प्रशासन इन आरोपों पर क्या स्पष्टीकरण देता है तथा संबंधित सक्षम प्राधिकारी इस मामले की जांच कराते हैं या नहीं।

इनका कहना है

विश्वविद्यालय द्वारा जो निविदा आमंत्रित की गई है उसमें आपत्तियों की गई हैं समिति के समक्ष सभी आपत्तियों को रखा जाएगा जिस पर शिकायतों की गंभीरता के आधार पर निर्णय लिया जाएगा। नीरजा नामदेव
कुलसचिव अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा

सेंधमार गिरोह का पर्दाफाशः गोविंदा सहित तीन शातिर चोर गिरफ्तार सात चोरियों का खुलासा

आठ लाख का माल बरामद, ज्वेलरी शॉप में सेंधमारी के बाद पुलिस ने खोला गिरोह का राज

रीवा।

शहर में लगातार हो रही सेंधमारी की वारदातों से परेशान पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सिविल लाइंन थाना क्षेत्र स्थित पद्माधर कॉलोनी की सिद्धिविनायक ज्वेलर्स में हुई लाखों रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने केवल ज्वेलरी शॉप ही नहीं, बल्कि शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में हुई कुल सात चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब आठ लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवर एवं अन्य चोरी का सामान बरामद किया है। इस पूरे मामले सोमवार को खुलासा करते हुए शहर एडिशनल एसपी भावना मरावी ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ शहर में पिछले कई महीनों से सक्रिय सेंधमार गिरोह का पर्दाफाश हुआ है।23-24 जुलाई की दरमियानी रात सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के पद्माधर कॉलोनी स्थित सिद्धिविनायक ज्वेलर्स की दुकान में अज्ञात बदमाशों ने सेंध लगाकर सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए थे। शहर के बीचोंबीच ज्वेलरी शॉप में हुई इस वारदात को पुलिस ने गंभीरता से लिया। पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह के निर्देशन में सिविल लाइंस थाना, अमहिया थाना और साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले, जिसके आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई।सीसीटीवी फुटेज से खुली गिरोह की परतेंजांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वरुण लोनिया उर्फ पीके की पहचान की। इसी दौरान सिविल लाइंस क्षेत्र में पूर्व में हुई जे.के. ज्वेलर्स चोरी मामले में भी सुजीत लोनिया उर्फ गोविंदा संदिग्ध के रूप में सामने आया। दोनों को

हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें उन्होंने अपने साथी संदीप लोनिया उर्फ गुल्ली (कामता प्रसाद लोनिया) सभी निवासी कबड्डी मोहल्ला के साथ मिलकर शहर में कई चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार कर ली। पूछताछ के आधार पर तीसरे आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर पुलिस ने विभिन्न स्थानों से चोरी का सामान बरामद किया।तीनों आरोपियों के विरुद्ध शहर के विभिन्न थानों में पूर्व से भी चोरी के कई मामले दर्ज होना सामने आया है। पुलिस के अनुसार ये सभी पेशेवर एवं शातिर सेंधमार हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध चोरी एवं अन्य संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। इस महत्वपूर्ण कार्रवाई में सिविल लाइंस थाना, अमहिया थाना एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम की भूमिका सराहनीय रही। पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह ने चोरी के इस बड़े खुलासे में शामिल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कृत किए जाने की घोषणा की है।

पहले करते थे रैकी, फिर लगाते थे सेंध

पुलिस जांच में सामने आया कि यह गिरोह बेहद सुनियोजित तरीके से वारदातों को अंजाम देता था। आरोपी पहले दिन में संभावित दुकानों और मकानों की रैकी करते थे। क्षेत्र की गतिविधियों, सुरक्षा व्यवस्था और लोगों की आवाजाही पर नजर रखने के बाद रात के समय सेंध लगाकर चोरी करते थे। वारदात के बाद चोरी का सामान अलग-अलग स्थानों पर छिपा दिया जाता था, जिससे पुलिस आसानी से उन तक न पहुंच सके।

सात मामलों में चोरी का सामान बरामद

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर सात अलग-अलग अपराधों से संबंधित चोरी का सामान बरामद किया है। बरामद सामग्री में तीन जोड़ी सोने के टॉप्स, एक जोड़ी झुमके, एक जोड़ी सोने के कंगन, चार सोने की अंगूठियां, एक मंगलसूत्र, एक सोने का लॉकेट, चार सोने की नथ/लौंग, 14 जोड़ी चांदी की बिछिया, तीन चांदी की अंगूठियां, दो चांदी की थालियां, चांदी की श्रृंगी तथा तीन जोड़ी चांदी की पायल शामिल हैं। बरामद माल की कुल कीमत करीब आठ लाख रुपये आंकी गई है।

मानव श्रृंखला बनाकर छात्रों ने दिया ड्रग्स फ्री रीवा का संदेश, नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

रीवा।

मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत सोमवार को रीवा के स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न शासकीय एवं निजी विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से समाज को नशामुक्ति का संदेश दिया। इस दौरान विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर ड्रग्स फ्री रीवा का संदेश दिया और लोगों से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रीवा जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) गौरव राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मध्य प्रदेश पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) के निर्देशन में पूरे प्रदेश में नशे के विरुद्ध विशेष जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी बाधक बनता है। युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए पुलिस, प्रशासन, शैक्षणिक संस्थानों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा। जागरूकता ही नशे के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार है।कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के दुष्परिणामों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इसके बाद बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने मानव श्रृंखला बनाकर ड्रग्स फ्री रीवा का संदेश दिया। आयोजन के दौरान पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें नशीले पदार्थों से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी नशे के प्रति जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि युवाओं की सकारात्मक ऊर्जा और सक्रिय भागीदारी से ही नशामुक्त समाज का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षक, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जिले मे बिजली कटौती से जनजीवन बेहाल

विभाग के जिम्मेदार मौन, सब स्टेशनों में पदस्थ कर्मचारियो की मनमानी से उपभोक्ता परेशान

कड़ी कार्रवाई की मांगउमस भरे मौसम में 2 घंटे भी नहीं टिक रही बिजली

शहर से लेकर गांव तक एक जैसे हालात

मऊगंज। जिले में विद्युत आपूर्ति की अनियमितता ने आमजन का जीवन नरक बना दिया है। एक तरफ अल्प वर्षा के कारण उमस भरे मौसम में लोगों का जीना हराम है वहीं बिजली की आंख-मिचौली ने लोगों को भय और अंधकार में जीने को मजबूर कर दिया है। जिले में कहीं भी 2 घंटे लगातार बिजली नहीं मिल पा रही। आलम यह है कि दिन में दर्जनों बार बिजली आती-जाती है और रातें अंधेरे में कट रही हैं।मऊगंज नईगढ़ी, पहाड़ी, हनुमना, देवतालाब एवं ढेरा रतनगवाँ विद्युत सबस्टेशन के अंतर्गत आने वाले सैकड़ों गांवों में यह समस्या सबसे विकराल है। ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर जलना, तार टूटना और फाल्ट का हवाला देकर घंटों तक आपूर्ति बाधित रखी जाती है। जिला मुख्यालय मऊगंज सहित हनुमना, नईगढ़ी, देवतालाब जैसी तहसीलों में भी स्थिति एक जैसी है। यहां भी बिना किसी पूर्व सूचना के विद्युत कटौती की जा रही है। बरसात के महीने बिजली का बार-बार जाना केवल असुविधा नहीं, जानलेवा साबित हो रहा है। घुप्प अंधेरे में जहरीले कीड़े-मकोड़े, सांप-बिच्छू के काटने की घटनाएं बढ़ गई हैं।

बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई प्रभावित हो रही है। किसानों की धान की फसल सिंचाई के लिए तरस रही है क्योंकि मोटर पंप नहीं चल पा रहे है छोटे दुकानदारों का कारोबार ठप है। अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भी वैकल्पिक पावर बैकअप न होने से मरीजों को परेशानी हो रही है।कानूनी दायित्वों की अनदेखी विद्युत अधिनियम के तहत विद्युत वितरण का यह वैधानिक दायित्व है कि वह अपने क्षेत्र में मांग के अनुसार पर्याप्त और निर्बाध विद्युत आपूर्ति करे। साथ ही उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत सेवा में कमी को ₹सेवा दोष₹ माना गया है। इसके बावजूद मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा पूरे वर्ष ₹जनरल मेंटेनेंस₹ का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ा जा रहा है, हालात कुछ इस कदर है कि स्थानीय स्तर पर मनमानी तरीके से फीडर बंद कर दिए जाते हैं।अधिकारी मौन, जनता आक्रोशित परेशान उपभोक्ताओं का आरोप है कि जब भी वे शिकायत के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को फोन करते हैं तो या तो फोन नहीं उठाया जाता या फिर टाल-मटोल वाला जवाब मिलता है। विभागीय कर्मचारियों का व्यवहार भी असंवेदनशील है। यह स्थिति संविधान में प्रदत्त जीवन के अधिकार का भी उल्लंघन है, क्योंकि बिजली आज स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा से सीधे जुड़ी मूलभूत आवश्यकता बन चुकी है।प्रशासनिक हस्तक्षेप की मांग इस गंभीर समस्या को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी मऊगंज के उपाध्यक्ष एवं पूर्व जनपद उपाध्यक्ष नृपेंद्र सिंह पिंटू ने कलेक्टर मऊगंज एवं मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सीएमडी से त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है।उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी बरसात के दौरान फाल्ट निवारण के लिए प्रत्येक सबस्टेशन पर 24 घंटे आपातकालीन दल तैनात किया जाए और उपभोक्ताओं को एसएमएस के माध्यम से कटौती की पूर्व सूचना दी जाए।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि विद्युत व्यवस्था में ठोस सुधार नहीं हुआ तो वे मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करेंगे। जनता की मांग है कि प्रशासन इस समस्या को गंभीरता से ले और उन्हें अंधकार से मुक्ति दिलाए।

पशु चिकित्सक पशुपालकों के संपर्क में रहें और कृत्रिम गर्भाधान एवं वैक्सीनेशन का कार्य तय समय में करें पूर्ण - अपर कलेक्टर

मऊगंज। अपर कलेक्टर पीके पांडेय ने पशुपालन व डेयरी विभाग की विभागीय समीक्षा बैठक में शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की प्रगति समीक्षा करते हुए कृत्रिम गर्भाधान के लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश पशु चिकित्सा अधिकारियों को दिए। उन्होंनें कहा कि पिछली तिमाही और आगामी तिमाही के लक्ष्यों को शीघ्रता से पूरा करें। उन्होंने कहा कि पशुपालन व डेयरी विभाग के समस्त कार्यों में नस्ल सुधार और पशुओं के दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु कृत्रिम गर्भाधान सबसे प्रमुख कार्य है, जिसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी पशु चिकित्सा अधिकारियों और सहायक पशु चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे दफ्तरों से बाहर निकलकर लगातार पशुपालकों के जीवंत संपर्क में रहें और पिछले तीन महीनों के शेष लक्ष्यों के साथ-साथ आगामी लक्ष्यों को समय सीमा में अनिवार्य रूप से पूर्ण करें। पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने वाली डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि बैंकों से निरंतर समन्वय स्थापित कर सभी लंबित प्रकरणों को निराकृत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि तकनीकी या अन्य कारणों से रिजेक्ट किए गए प्रकरणों को बैंक और आवेदक से आपसी समन्वय स्थापित कर पुनः प्रक्रिया में लाया जाए ताकि पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ मिल सके। गौशाला प्रबंधन को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उन्होंने कहा कि जिले की जिन भी गौशालाओं में चारे-भूसे के उचित प्रबंधन हेतु आवश्यकता हो, वहां तत्काल स्ट्रॉरीपर की व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही, पशुओं को विभिन्न संक्रामक और घातक बीमारियों से बचाने के लिए जिले भर में लगातार वैक्सीनेशन (टीकाकरण) का कार्य लगातार चलाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि पशुधन सुरक्षित और स्वस्थ रह सके। बैठक में नगर परिषद के अध्यक्ष बृजवासी पटेल , जनपद पंचायत अध्यक्ष नीलम इन्द्रपाल सिंह, एसडीम मऊगंज एपी द्विवेदी, पशुपालन व डेयरी विभाग से उप संचालक डॉ. जे. एल. साकेत, पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. के.के. गुप्ता, सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे ।

रीवा के लालमणि त्रिपाठी ने मांगों को लेकर आज से जिला पंचायत में शुरू किया धरना-प्रदर्शन

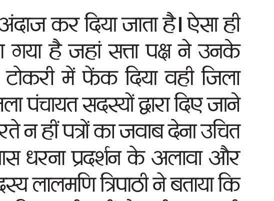

रीवा। वार्ड क्रमांक 15 से जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुए लालमणि त्रिपाठी,जिला पंचायत रीवा के सामने मांगों को लेकर 27 जुलाई से धरने पर बैठ गए। रीवा के धरना मैन के नाम से मशहूर कामरेड श्री त्रिपाठी शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए जिले भर में नहीं बल्कि प्रदेश स्तर तक विख्यात हो चुके हैं। धरना प्रदर्शन की राह वह तभी पकड़ते हैं जब किसी भी स्तर पर उनकी मांगों को नजरअंदाज कर दिया जाता है। ऐसा ही कुछ मामला जिला पंचायत रीवा का भी बताया गया है जहां सत्ता पक्ष ने उनके प्रस्तावों को नजर अंदाज करते हुए रद्दी की टोकरी में फेंक दिया वही जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जिला पंचायत सदस्यों द्वारा दिए जाने वाले पत्रों पर ना तो किसी तरह की कार्रवाई करते न हीं पत्रों का जवाब देना उचित समझते ऐसे में जिला पंचायत के सदस्यों के पास धरना प्रदर्शन के अलावा और कोई रास्ता नहीं दिखाई देता । जिला पंचायत सदस्य लालमणि त्रिपाठी ने बताया कि सामान्य सभा की बैठक जो हर 3 महीने में होनी चाहिए कभी नहीं हो पाती जब कभी बैठक होती है वह विशेष बैठक होती है जिसमें सदस्यों के क्षेत्रीय मुद्दे पर चर्चा नहीं होती जिससे गांव का विकास नहीं हो पा रहा है। श्री त्रिपाठी ने आगे कहा कि 15वें वित्त का पैसा भी समय से ना मिल पाना विकास में बाधाहै। इन्ही मुद्दों से नाराज श्री त्रिपाठी ने आंदोलन की राह पकड़ी है। देखना यह होगा कि श्री त्रिपाठी का धरना प्रदर्शन जिला पंचायत प्रशासन पर कितना असर कारी सिद्ध होता है।

पति-पत्नी चला रहे थे नशे का कारोबार, घर से 930 शीशी कफ सिरप जब्त, विश्वविद्यालय थाना पुलिस की कार्रवाई

रीवा। शहर में नशीले पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विश्वविद्यालय थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पति-पत्नी द्वारा संचालित किए जा रहे कथित नशे के कारोबार का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने झांझर कॉलोनी स्थित एक मकान पर दबिश देकर पांच बोरियों में रखी 930 शीशी प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद की है। मौके से पुलिस ने पति-पत्नी को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से नशीले कफ सिरप के अवैध कारोबार में संलिप्त थे। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ने में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र की झांझर कॉलोनी में रहने वाले एक दंपति द्वारा घर से ही नशीले कफ सिरप का अवैध भंडारण और कारोबार किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में टीम गठित की और बताए गए मकान पर दबिश दी।